हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 11 अप्रैल 2025, समय 1305 (5 मिनट)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज समाज सुधारक महात्मा फुले की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में श्री मोदी ने कहा कि वे मानवता के सच्चे सेवक थे। उन्होंने कहा कि फुले जी ने अपना पूरा जीवन समाज के शोषित और वंचित वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि देश के प्रति उनका अमूल्य योगदान आने वाली हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।

****

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज फरीदाबाद से नशा मुक्त हरियाणा का संदेश लेकर चल रही साइक्लोथोन को हरी झंडी दिखा कर आगे के गंतव्य के लिए रवाना किया। इस दौरान उनके साथ कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, मंत्री राजेश नागर, पूर्व मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा भी मौजूद रहे।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा-

श्री नायब सिंह ने कहा कि उनकी सरकार हरियाणा को 'नशा मुक्त ' बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

****

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को यमुनानगर में ताप ऊर्जा घर में 800 मेगावाट क्षमता की एक यूनिट का शिलान्यास करेगें। इस संयंत्र के विस्तार से हरियाणा में बिजली की उत्पादकता बढेगी और इससे निर्बाध रूप से लोगों को बिजली की सुविधा मिलेगी। कल सायं विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार की उपस्थिति अम्बाला छावनी में एक बैठक के बाद उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्या घर योजना में दो किलोवॉट के तहत एक लाख 10 हजार रूपए की सब्सिडी तक सौर ऊर्जा पैनल लगाने का काम भी किया जा रहा है।इसी प्रकार, 10 किलोवॉट के तहत टयूब्वैल पर सौर ऊर्जा पैनल लगाने पर भी सब्सिडी दी जाती हैं। उन्होंने कहा कि बहुत बड़ी संख्या में यह पैनल लगाए भी जा चुके हैं। जिसमे किसानों को काफी सुविधा मिल रही हैं।

****

भारतीय गेहूं एवं जो अनुसंधान संस्थान गेहूं की 12 एवं जौ की तीन नई बदलते जलवायुको सहने में सक्षम एंव रोगरोधी किस्में जारी की हैं। केंद्रीय किस्म रिलीज समिति द्वारा अनुमोदित करने के बाद संस्थान के निदेशक डॉ रतन तिवारी ने कल इन्हें जारी किया।इस अवसर पर डॉ रतन तिवारी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच विपरीत परिस्थितियों में अधिक पैदावार और अधिक पोषक तत्वों वाली नई गेहूं एवं जौ की किस्मों को ईजाद करने के लिए अनुसंधान किया जा रहा है और यह किस्में उसी अनुसंधान का परिणाम हैं।उन्होंने कहा कि यह किस्में बेहतर पैदावार के साथ-साथ बायो फोर्टीफाइड भी है जिससे इन किस्मों से मिलने वाला गेहूं सेहत के लिए बेहतर साबित होगा।उन्होंने बताया कि इन किस्मों का बीज ब्रीडर एजेंसियों को तो अगले साल मिल जाएगा लेकिन किसानों तक वर्ष 2027 तक पहुंच पाएगा।डॉ तिवारी ने बताया कि गेहूं की जो 12 नई किस्में रिलीज की गई है इनमें दो उनके

संस्थान की ओर से विकसित की गई है इनमें डीबीडब्ल्यू 386 जिसे कर्ण खुशबू नाम दिया गया है। यह किस्म सिंचित और समय से बुवाई के लिए हरियाणा पंजाब सहित उत्तर पूर्वी मैदानी क्षेत्र के लिए अनुमोदित की गई है। इसकी औसत पैदावार 52.01 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह जलवायु सहनशील होने के साथ-साथ रोगरोधी भी हैं। इसी प्रकार कुछ अन्य किस्में है जो महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु का पर्वतीय क्षेत्र आदि के लिए अनुमोदित की गई है। संस्थान के निदेशक ने बताया कि जौ की तीन नई किस्में भी रिलीज हुई है। इनमें एक किस्म डीडब्ल्यूआरबी 223 करनाल की है जो छिलका रहित जौ की किस्म है। इनकी औसत पैदावार 42.9 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह सिंचित क्षेत्र उत्तर पश्चिमी मैदानी भागों के लिए अनुमोदित की गई है।

****

पुलिस की अपराध जांच एजेंसी सीआईए ने कल हंसी भिवानी मार्ग पर तिगड़ाना मोड़ के पास 10 किलो 855 ग्राम गांजे के साथ दो व्यक्तियों को वाहनों सहित काबू किया। उन्होंने एक सूचना के आधार पर नाकाबंदी कर नशे की यह खेप पकड़ी आरोपियों की पहचान भिवानी निवासी अमित और सिद्धार्थ के तौर पर हुई है।